

IMPORTANT SCHEDULE AND DATES

1. Availability of Prospectus cum - 03.04.2017 - 02.05.2017
Application form
2. Last date of submission of - 02.05.2017
complete application form
3. Written Entrance Test - 30.05.2017 - (10 am to 12 noon)
4. Viva-Voce of Qualifying Students - Announced in Written Test
Examination Hall
5. Declaration of Final Result -
6. Dates of Admission - Notified in the Final Result
7. Commencement of Classes - 05.07.2017

IMPORTANT SCHEDULE AND DATES

Prospectus can be obtained by hand from college counter through payment of Rs. 500/- by Challan / DD in favour of Director, BMC Course Patna College.

How to Apply - The filled application forms along with the documents may be sent to

The Director

B.M.C. Course

Patna College

Patna University, Patna - 800 005

पटना कॉलेज, पटना

स्नातक जनसंचार सम्मान पाठ्यक्रम

BACHEOR OF MASS COMMUNICATION HONOURS

बिहार में आधुनिक उच्च शिक्षा का इतिहास पटना कॉलेज से शुरू होता है। इसकी स्थापना 9 जनवरी 1863 ई० में हुई थी। तब से यह भाषा, साहित्य एवं समाज विज्ञान के विभिन्न विषयों में अपना ऊँचा पर्वम लहराता रहा है। इस कॉलेज की इमारतें महान् प्रतिभाशाली छात्रों का साक्षी हैं। लोकनायक जयप्रकाश नारायण, राष्ट्रकवि रामधारी सिंह 'दिनकर', डॉ० सच्चिदानन्द सिन्हा इसी कॉलेज के तराशे गए रत्न थे जो देश-विदेश में अपनी आभा बिखेरते रहे। यहाँ से प्रशासनिक अधिकारियों एवं शिक्षाविदों की पीढ़ी-दर-पीढ़ी निकलती रही तथा देश के विकास में अपनी छाप तोड़ती रही है। इसका जर्ज-जर्ज शैक्षिक उपलब्धियों की इबारत है। यह बिहार का सबसे पुराना कॉलेज है या कहें कि यह सबसे पुराना दीप-स्तम्भ है जिसकी ज्ञान-ज्योति उत्तर भारत के कोने-कोने के आए विद्यार्थियों का पथ, आलोकित करती रही है। आज जब यही कॉलेज एक संकल्प के साथ स्नातक जनसंचार (बैचलर ऑफ मास कम्यूनिकेशन) की पढ़ाई प्रारम्भ करने जा रहा है तब निश्चित है कि यह अपनी गौरवशाली परम्परा के अनुरूप अपनी भिन्नता और विशिष्टता को अनदेखा नहीं करेगा।

समय और परिस्थिति के बदलते ही शिक्षा की जरूरतें हैं। हर युग में शिक्षा के कुछ पुराने प्रतिमान टूटते हैं और कुछ नये बनते हैं। आज एक नये प्रतिमान के रूप में पूरे विश्व में सूचना प्रणाली की उछाल लेती संभावनाओं ने ज्ञान-पिपासुओं में नई आशा जगाई है। सूचना तकनीक के विकास के साथ-साथ जनसंचार माध्यमों का जाल फैल रहा है। गाँव-शहर का हर जागरूक व्यक्ति अखबार, रेडियो या दूरदर्शन के प्रभाव-क्षेत्र में है। वह ताजा समाचारों से अद्यतन बना रहना चाहता है। समूह संचार माध्यमों में भी खबर झटकने की होड़ है। देश-दुनिया के अंतिम व्यक्ति के पास भी यदि कोई खबर है तो वे चाहते हैं कि उनका पत्रकार वहाँ पहले खड़ा मिले। प्रायोगिकी से भाषा का और भाषा का बाजार से इतना व्यापक सम्बन्ध पहले कभी नहीं बना।

पटना कॉलेज जनसंचार के अद्यतन ज्ञान को छात्र-छात्राओं में बाँटकर उन्हें रोजगार के जगमगाते संसार से जोड़ना चाहता है। हमारा उद्देश्य है - ऐसे पत्रकार एवं तकनीकी विशेषज्ञ तैयार करना जो प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया एवं अन्य माध्यमों में अलग पहचान बनाएँ, उनकी भाषा से लेकर प्रस्तुति तक अनुकरणीय बने।

जब हर नई वस्तु, हर नई घटना ही नहीं, हर व्यक्ति आज एक खबर है तब जनसंचार (Mass Communication) के महत्व को बताने की जरूरत नहीं है। आज के युग में वही आगे है जो अपने पेशे की ताजा-तरीन सूचनाओं के साथ है। सूचना ही शिक्षा का पहला आधार है; यही शक्ति है, प्रगति का कारक है। पटना कॉलेज स्नातक जनसंचार (Bachelor of Mass Communication) के पाठ्यक्रम में उन सभी माध्यमों को शामिल कर रहा है जिनसे विद्यार्थियों में पेशागत प्रवीणता आ सकती है; जैसे - मुद्रित जनसंचार (Print Media), दृश्य एवं श्रव्य जनसंचार (Video and Audio) आदि। दृश्य को श्रव्य या पाठ्य बनाने का काम भाषा ही कर सकती है। इसलिए पाठ्यक्रम में निर्धारित विषयों के अतिरिक्त भाषा - खासकर हिंदी एवं अंग्रेजी - सुधारने के काम को प्राथमिकता दी जाएगी ताकि यहाँ के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत खबर शैक्षणिक एवं भाषिक महत्व अर्जित करें।

समूह जनसंचार के महत्व एवं इसमें निहित रोजगार की संभावनाओं को देखते हुए पटना कॉलेज ने जुलाई 2007 से स्नातक जनसंचार सम्मान (Bachelor of Mass Communication Hons) की पढ़ाई प्रारम्भ करने का निर्णय लिया है। यह एक व्यावसायिक पाठ्यक्रम है। इसे इस रूप में तैयार किया गया है जनसंचार के क्षेत्र में युवा पेशेवर अपनी दक्षता दिखा सकें। मिडिया के फैलते जाल एवं संचार तकनीक के विकास को देखते हुए यह जरूरी हो गया है कि इस क्षेत्र में पत्रकारों की नई जमात मोर्चा संभाले। इस पाठ्यक्रम के तीन वर्ष जनसंचार ज्ञान को तकनीकी निपुणता से लैस कर रोजगार की संभावना जगाते हैं। इसका उद्देश्य है - दूरसंचार (Tele Communication), दूरदर्शन-प्रेषण (Telecasting), प्रसारण (Boardcasting) एवं परिकलन (Computing) की दक्षता देकर सूचना क्रांति को आगे बढ़ाना। इसमें प्रिंट मिडिया, विज्ञापन, जनसंपर्क, सेटेलाइट संचार, इंटरनेट एवं कॉरपोरेट संचार आदि को भी पूर्ण प्रतिनिधित्व दिया गया है। स्नातक जनसंचार कार्यक्रम दक्ष, असरदार एवं संवेदना-सजग युवाओं को तैयार करने के निमित्त है ताकि वे जिम्मेदारी एवं आत्मविश्वास से जनसंचार की नई चुनौतियों का सामना कर सकें।

स्नातक जनसंचार सम्मान कार्यक्रम का मुख्य जोर निम्नलिखित बिन्दुओं पर है :

- (i) प्रथम वर्ष में विद्यार्थियों को जनसंचार एवं पत्रकारिता की आधारभूत जानकारी दी जाएगी, संचार व्यवस्था के इतिहास, जनसंचार माध्यमों के प्रबंधन, सरकारी नीतियों, राजनीति, अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध, कम्प्यूटर एवं अर्थशास्त्र का तथ्यात्मक परिचय देकर

लेखन-कला विकसित करने, समाचार गढ़ने, संपादित करने का गुर भी सिखाया जाएगा। यह प्रयास होगा कि हिंदी-अंग्रेजी में रचनात्मक लेखन के साथ-साथ प्रभावशाली ढंग से बोलने का अभ्यास कराया जाय।

- (ii) द्वितीय वर्ष में प्रथम वर्ष के अर्जित ज्ञान को विस्तार देते हुए दृश्य-श्रव्य माध्यम, विज्ञापन जगत, अर्थशास्त्र का व्यापक ज्ञान उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही रेडियो, टेलिविजन आदि के लिए पत्रकारिता लेखन, अद्यतन तकनीकी सहयोग से दृश्य-श्रव्य माध्यमों के लिए सूचना-प्रेषण एवं संपादन, प्रभावशाली साधनों से जनसंपर्क की व्यावहारिक शिक्षा भी दी जाएगी।
- (iii) तृतीय वर्ष में जनसंचार माध्यमों के विभिन्न आयामों का परिचय : भारतीय संविधान, प्रेस-कानून एवं प्रेस-आयोग के मूल तथ्यों की जानकारी देकर समाचार लेखन में विशेषज्ञता को चिन्हित और विकसित करने, सृजनशीलता, विश्लेषणात्मक दृष्टि के विकास, फोटो पत्रकारिता, दृश्यांकन, अभिसरण एवं अपसरण पर बल दिया जाएगा।

यदि प्रथम वर्ष बीज बोने और द्वितीय वर्ष सिंचाई करने का काल है तो तृतीय वर्ष फसल काटने का काल है। अंतिम वर्ष में छात्र-छात्राओं को जनसंचार माध्यमों के योग्य बनाकर जनसंचार के क्षेत्र में मौजूद विभिन्न अवसरों से अवगत कराया जाएगा।

द्वितीय और तृतीय वर्ष के बीच छात्र-छात्राओं के लिए जनसंचार माध्यमों की कार्यविधियों का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करना एवं परियोजना रपट करना आवश्यक है। ये उन्हें अपने सैद्धान्तिक ज्ञान को जनसंचार के कार्यों, योजनाओं, रणनीतिक निर्णयों में व्यावहारिक रूप में आजमाने का अवसर देंगे।

नामांकन के लिए पूर्व अपेक्षाएँ

1. इण्टर कला / विज्ञान / वाणिज्य ।
2. प्रवेश के लिए लिखित परीक्षा 120 मिनट की होगी। प्रश्नपत्र में वस्तुनिष्ठ एवं विषयनिष्ठ दोनों प्रकार के प्रश्न होंगे। लिखित परीक्षा के उपरान्त चयनित परीक्षार्थियों का साक्षात्कार के लिए उपस्थित होना अनिवार्य है। जाँच परीक्षा निम्नलिखित बिन्दुओं पर केन्द्रित होगी :
 - (i) सामान्य ज्ञान।
 - (ii) हिन्दी एवं अंग्रेजी भाषा-ज्ञान / अनुवाद।
 - (iii) दृष्टि, चिंतन एवं भाषा की परख के लिए निबंध-लेखन।

नामांकन होने पर शुल्क लौटाया नहीं जाएगा। जो नामांकित छात्र-छात्रा यह पाठ्यक्रम छोड़ना चाहेंगे, उन्हें नाम लिखाने की तिथि से एक महीना पूरा होने के पहले ही छोड़ने का निर्णय लेना होगा। जो उसके बाद छोड़ेंगे, उन्हें तीन वर्षों का शुल्क जमा करना होगा। इसलिए आवेदन वही करें जो यह पाठ्यक्रम पूरा करने की इच्छा और रुचि रखते हैं।

शिक्षण-प्रशिक्षण का लक्ष्य

स्नातक जनसंचार सम्मान कार्यक्रम का प्रधान ध्येय निम्नलिखित है :

- * बदलते समाज में गुणात्मक रूप से बढ़ते जनसंचार के लिए युवा छात्र-छात्राओं में स्वदृष्टि निर्माण के लिए उपयुक्त जमीन तैयार करना।
- * जनसंचार माध्यमों के लिए समाचार रपट, फीचर, आलेख, फिल्म, पटकथा लेखन, वृत्तचित्र (documentary), सर्जनात्मक लेखन की सूक्ष्म अर्थ-भेदों को समझाते हुए लेखन-कला में निपुणता विकसित करना।
- * कार्यक्रम संचालन, लेखन, सूचना-प्रेषण, संपादन का पर्याप्त ज्ञान उपलब्ध कराना।
- * समाचार सूँघने एवं देखे गए दृश्यों को रचनात्मक दृष्टि लेकर श्रव्य-दृश्य माध्यमों के लिए सुरुचिपूर्ण कार्यक्रम में बदलने, प्रिंट मिडिया (मुद्रण संचार माध्यम) के लिए दृष्टिग्राही समाचार तैयार करने की समझ विकसित करना।
- * कंप्यूटर (परिकलक) के अनुप्रयोग में निपुण बनाना।
- * फोटोग्राफी (स्थिर एवं चल छाया-चित्रण कला) में रचनात्मक दृष्टि के उपयोग पर बल तथा विशेष प्रभाव (Special effects), रंग, लेंस, प्रकाश, कोण आदि के सूक्ष्म अन्तर को समझाना।
- * जनसभा को सम्बोधित करने, कैमरे का सामना करने एवं दृश्य-श्रव्य माध्यमों के लिए मंच संचालित करने का प्रशिक्षण देना।
- * पटकथा लेखन, फिल्म निर्माण, निर्देशन एवं संपादन के लिए छात्र-छात्राओं की कल्पनाशीलता को रचनात्मक कार्य में बदलने में सहायता देना।
- * जनसम्पर्क-क्षेत्रों की आवश्यकता को समझने एवं जनसम्पर्क साधनों का सफलतापूर्वक उपयोग करने की योग्यता देना।

- * सैद्धान्तिक, प्रयोगिक एवं तकनीकी ज्ञान के साथ उस लक्ष्य की ओर अग्रसर करना जो उन्हें पत्रकार, संपादक, फिल्म-निर्माता, पटकथा लेखक, जनसम्पर्क पेशेवर, विज्ञापनकर्ता आदि बनने का रास्ता आसान बना दे।
- * व्यवस्थित प्रशिक्षण द्वारा दायित्व-बोध एवं आत्मविश्वास जगाते हुए सकारात्मक पेशेवर आचरण का विकास करना।
- * इन सभी के लिए विद्यार्थी में चाहिए इस पाठ्यक्रम के अनुरूप प्रतिभा एवं रुचि के साथ-साथ :
 - (i) सामाजिक अपेक्षाओं के अनुरूप सत्य या तथ्य को नैतिक मूल्यों के साथ खोलकर दिखाने का समर्पण।
 - (ii) प्रभावशाली संचार एवं लेखन के जरिए राष्ट्रीय प्रतिबद्धता एवं पेशेवर ईमानदारी की ओर अभिप्रेरण।
 - (iii) समाचार की परख : समाज की हलचलों एवं जनता की धड़कनों की पहचान।

पटना कॉलेज के 'स्नातक जनसंचार सम्मान' (Bachelor of Mass Communication, Honours) में छात्र और छात्रा दोनों नामांकन ले सकते हैं।

स्नातक जनसंचार सम्मान, डिग्री कार्यक्रम के निमित्त नामांकन अध्यादेश, पटना विश्वविद्यालय, पटना

1. 'स्नातक जनसंचार' कार्यक्रम में नामांकन पर आधार स्ववित्तपोषित होगा।
2. नामांकन की पात्रता
 - 2.1 किसी मान्यता प्राप्त वि०वि० या बोर्ड से कला, विज्ञान या वाणिज्य में 45% अंक पाकर इण्टरमीडिएट की डिग्री पानेवाला छात्र-छात्रा स्नातक जनसंचार सम्मान के प्रथम वर्ष में नामांकन के लिए आयोजित जाँच परीक्षा में बैठने के योग्य समझे जाएँगे।
 - 2.2 कॉलेज द्वारा आयोजित लिखित एवं मौखिक प्रवेश परीक्षा के प्राप्तांकों को जोड़कर तैयार मेंधा सूची से योग्यता-क्रम के आधार पर नामांकन किया जाएगा।

- 2.3 जिस किसी कॉलेज में स्नातक जनसंचार सम्मान की पढ़ाई आरम्भ की जा रही है, वहाँ प्रत्येक वर्ग में अधिकतम 60 सीटें होंगी। राज्य सरकार की पूर्वानुमति से यह सीट संख्या संशोधित की जा सकती है। अप्रवासी भारतीयों के लिए पाँच अतिरिक्त सीटें होंगी। ये सीटें विशेष भुगतान एवं अग्रागमक्रमानुसार भरी जाएँगी। इस पाठ्यक्रम में अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़े वर्ग के लिए आरक्षण की व्यवस्था राज्य सरकार / पटना विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित नियमों के अनुकूल की जाएगी। विनिमय के प्रावधान के अनुरूप नामांकन के समय ही सभी अभ्यर्थियों को निर्धारित शुल्क का पूर्ण भुगतान करना होगा या उस शुल्क का भुगतान करना होगा जो विनिमय में निहत प्रक्रिया के तहत समय-समय पर संशोधित होगा।
- 2.4 उनका नामांकन इस पाठ्यक्रम के लिए नहीं होगा जो पूर्व सूचित निर्धारित समय पर आवेदन नहीं देंगे। जो नामांकन के लिए चयनित होते हैं किन्तु निर्धारित अवधि में नामांकन नहीं लेते, उनका नामांकन कुलपति द्वारा विलम्ब माफ कर देने पर ही होगा, अन्यथा नहीं।
- 2.5 यदि कुलपति किसी आवेदक को विश्वविद्यालय के हित में उपयुक्त नहीं मानते हैं तो आवेदक का नामांकन नहीं होगा।
- 3.0 शुल्क-संरचना
- 3.1 इस पाठ्यक्रम के लिए अकादमिक सत्र के प्रारम्भ में ही निर्धारित शुल्क लिया जाएगा। त्रिवार्षिक शुल्क-संरचना निम्नलिखित है :

विवरण	प्रथम वर्ष		द्वितीय वर्ष		तृतीय वर्ष	
	सामान्य या आरक्षित कोटि	अप्रवासी भारतीय व्यवसाय कोटि	सामान्य या आरक्षित कोटि	अप्रवासी भारतीय व्यवसाय कोटि	सामान्य या आरक्षित कोटि	अप्रवासी भारतीय व्यवसाय कोटि
नामांकन	200/-	400/-	200/-	400/-	200/-	400/-
पंजीयन	100/-	200/-	100/-	200/-	100/-	200/-
शिक्षा-शुल्क	6500/-	13000/-	9500/-	19000/-	14500/-	29000/-
पुस्तकालय	500/-	1000/-	500/-	1000/-	500/-	1000/-
विकास शुल्क	5000/-	10000/-	6500/-	13000/-	6500/-	13000/-
रखरखाव	550/-	1100/-	550/-	1100/-	550/-	1100/-
विनोद शुल्क	200/-	400/-	200/-	400/-	200/-	400/-
लेखन-सामग्री	225/-	450/-	225/-	450/-	225/-	450/-
पाठ्येतर क्रिया-कलाप	500/-	1000/-	500/-	1000/-	500/-	1000/-
फुटकर/विविध खर्च	800/-	1600/-	800/-	1600/-	800/-	1600/-
बिजली	300/-	600/-	300/-	600/-	300/-	600/-
पत्र-पत्रिका	75/-	150/-	75/-	150/-	75/-	150/-
पर्यावरण सुरक्षा	200/-	400/-	200/-	400/-	200/-	400/-
समाज कार्य	100/-	200/-	100/-	200/-	100/-	200/-
पहचान-पत्रक	50/-	100/-	50/-	100/-	50/-	100/-
एकलव्य / तरंग	20/-	20/-	20/-	20/-	20/-	20/-
कुल योग	15320/-	30620/-	20320/-	40620/-	25320/-	50620/-

32. समय-समय पर सम्बद्ध प्राचार्य पटना विश्वविद्यालय के कुलपति के साथ मिल-बैठकर इस शुल्क-संरचना की समीक्षा करते हुए इसे संशोधित कर सकते हैं।

4. स्नातक जनसंचार सम्मान मानविकी संकाय के अन्तर्गत स्थित होगा।
(दिनांक 11.04.05 का राज्यपाल के विशेष कार्य पदाधिकारी द्वारा हस्ताक्षरित)

(स्नातक जनसंचार सम्मान का परीक्षा विनियम प्रारूप

पटना विश्वविद्यालय, पटना

(त्रिवर्षीय डिग्री पाठ्यक्रम)

1. पाठ्यक्रम की कालावधि

- 1.1 स्नातक जनसंचार सम्मान का पाठ्यक्रम तीन वर्षों का है। सत्र की अवधि है - जुलाई से मई तक ।

2. नामांकन की पात्रता

- 2.1 स्नातक जनसंचार सम्मान में दाखिले के लिए अभ्यर्थी को विश्वविद्यालय या बोर्ड या विश्वविद्यालय द्वारा मान्यता प्राप्त किसी संस्था से इण्टर कला / विज्ञान / वाणिज्य की परीक्षा में 45% अंक के साथ उत्तीर्ण होना आवश्यक है।
- 2.2 स्नातक जनसंचार सम्मान में नामांकन पटना कॉलेज द्वारा आयोजित लिखित एवं मौखिक प्रवेश परीक्षा के प्राप्तांकों के योग से तैयार मेधा-सूची के आधार पर होगा।
- 2.3 जिस किसी कॉलेज में स्नातक जनसंचार सम्मान की पढ़ाई आरम्भ की जा रही है, वहाँ प्रत्येक वर्ग में अधिकतम 60 सीटें होंगी। राज्य सरकार की पूर्वानुमति से यह सीट संख्या संशोधित की जा सकती है। अप्रवासी भारतीयों के लिए पाँच अतिरिक्त सीटें होंगी। ये सीटें विशेष भुगतान एवं अग्रगमक्रमानुसार भरी जाएँगी। इस पाठ्यक्रम में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़े वर्ग के लिए आरक्षण की व्यवस्था राज्य सरकार / पटना विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित नियमों के अनुकूल की जाएगी। विनियम के प्रावधान के अनुरूप नामांकन के समय ही सभी अभ्यर्थियों को निर्धारित शुल्क का पूर्ण भुगतान करना होगा या उस शुल्क का भुगतान करना होगा जो विनियम में विहित प्रक्रिया के तहत समय-समय पर संशोधित होगा।

3. पाठ्यक्रम की संरचना

त्रिवर्षीय स्नातक जनसंचार सम्मान में 18 पत्र होंगे। निम्नलिखित संरचना के अनुरूप ही कुल 18 पत्रों में परीक्षार्थियों की परीक्षा ली जाएगी :

प्रथम वर्ष

1. समूह संचरना की प्रस्तावना
2. समाचार लेखन और संपादन-1
3. जनसंचारार्थ लेखन
4. भारत सरकार, राजनीति एवं अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध

सहायक पत्र

- (i) अर्थशास्त्र
- (ii) जनसंचारार्थ कंप्यूटर का अनुप्रयोग

द्वितीय वर्ष

5. श्रव्य-दृश्य जनसंचार माध्यमों की प्रस्तावना
6. समाचार लेखन और संपादन II
7. विज्ञापन
8. जन-सम्पर्क/कॉरपोरेट संचार

सहायक पत्र

- (i) भारत में आर्थिक विकास एवं योजना
- (ii) उद्यमवृत्ति विकास कार्यक्रम

दो वर्षों की वार्षिक परीक्षा के उपरान्त प्रत्येक विद्यार्थी अनुमोदित व्यापारिक/औद्योगिक/सेवा-संगठन में जाकर दो महीने का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करेगा और ग्रीष्म प्रशिक्षण रपट की कम से कम दो प्रतियाँ अंतिम वर्ष की परीक्षा प्रारम्भ होने के 15 दिन पूर्व अध्यक्ष/संयोजक जनसंचार विभाग, पटना कॉलेज के पास जमा करेगा। यह ग्रीष्म प्रशिक्षण रपट 100 अंकों का होगा। इसमें आन्तरिक मूल्यांकन के लिए 40 अंक तथा विश्वविद्यालय द्वारा नियुक्त दो बाह्य परीक्षकों से मूल्यांकन के लिए 60 अंक निर्धारित हैं।

तृतीय वर्ष

9. समाचार लेखन और संपादन
10. छवि/फोटो पत्रकारिता
11. रूपांकन (Design) एवं रेखाचित्रांकन (Graphics)
12. भारतीय संविधान एवं संचार कानून
13. विकास संचार
14. परियोजना रपट

3.2 प्राध्यापन की माध्यम-भाषा हिन्दी या अंग्रेजी होगी।

4. परीक्षा

- 4.1 स्नातक जनसंचार सम्मान खण्ड-I, खण्ड-II एवं खण्ड-III (बी. एम. सी. पार्ट-I, पार्ट-II, पार्ट-III) की परीक्षाएँ विश्वविद्यालय द्वारा प्रथम वर्ष, द्वितीय वर्ष एवं तृतीय वर्ष के अंत में ली जाएँगी।
- 4.2 प्रत्येक सैद्धान्तिक पत्र की परीक्षा लिखित होगी एवं उसकी अवधि तीन घंटे निर्धारित है। लिखित परीक्षा की माध्यम-भाषा अंग्रेजी या हिंदी होगी।
- 4.3 पूर्ववर्ती वार्षिक परीक्षा में उत्तीर्ण हुए बिना विद्यार्थी को उत्तरवर्ती वार्षिक परीक्षा में सम्मिलित होने की अनुमति नहीं होगी।
- 4.4 स्नातक जनसंचार सम्मान खण्ड-I एवं खण्ड-II की परीक्षाओं में अधिकतम दो विषयों में अनुत्तीर्ण विद्यार्थियों को ही अगली कक्षा में प्रोन्नत किया जाएगा, किन्तु ऐसे विद्यार्थी को खण्ड-III में दाखिला नहीं दिया जाएगा जिसने खण्ड-I की परीक्षा के सभी विषयों में उत्तीर्णक हासिल नहीं किया है।
- 4.5 प्रत्येक सम्मान पत्र के 20 अंक आन्तरिक मूल्यांकन (क्वीज, जॉच परीक्षा, सेमिनार, प्रस्तुति, कार्यशाला आदि पर आधारित) के लिए एवं 80 अंक विश्वविद्यालय परीक्षा के लिए निर्धारित होंगे।

- 4.6 इन परीक्षाओं में सफल उम्मीदवारों को सैद्धान्तिक एवं आन्तरिक मूल्यांकन/प्रायोगिक/परियोजना-कार्य में अलग-अलग उत्तीर्णांक के साथ-साथ 45% अंक प्राप्त करना आवश्यक है। सहायक पत्रों में उत्तीर्णांक का अल्पतम प्रतिशत 35 है।

4.7 आवश्यक अंक-प्रतिशत :

1. प्रथम श्रेणी : 60 (साठ) प्रतिशत एवं उससे अधिक।
 2. द्वितीय श्रेणी : 45 प्रतिशत एवं उससे अधिक, किंतु कुलयोग में 60% से कम।
- 4.8 75% एवं उससे अधिक अंक पानेवाले विद्यार्थी का परीक्षा परिणाम 'प्रथम श्रेणी में विशिष्टता' (Passed in first Class with distinction) सहित प्रकाशित होगा।
- 4.9 परीक्षा में वही विद्यार्थी बैठ सकता है, कक्षा में जिसकी उपस्थिति 75% है और जिसका नैतिक चरित्र उत्तम है।
- 4.10 स्नातक जनसंचार सम्मान खण्ड-III की परीक्षा में उत्तीर्ण परीक्षार्थियों को पटना विश्वविद्यालय की विद्वत् परिषद् द्वारा अनुमोदित विहित फॉर्म पर डिग्री दी जाएगी जिसमें कॉलेज के नाम एवं वर्ग का उल्लेख होगा।
- 4.11 जिन प्रावधानों का यहाँ उल्लेख नहीं है, उनसे सम्बन्धित प्रश्न खड़ा होने पर समाधान के लिए पटना विश्वविद्यालय के नियमन को आधार बनाया जाएगा।
- (दिनांक 11.04.05 को राज्यपाल के विशेष कार्य पदाधिकारी द्वारा हस्ताक्षरित)
- (नामांकन एवं परीक्षा के उपर्युक्त विनियमों के मूल पाठ अंग्रेजी में हैं। उन मूल पाठों को यहाँ नीचे अविकल रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है।)

**DRAFT ORDINANCE FOR ADMISSION OF STUDENTS
IN BACHELOR OF MASS COMMUNICATION
DEGREE PROGRAMME (HONOURS)**

PATNA UNIVERSITY, PATNA

1. Admission to the Bachelor of Mass Communication (B.M.C.) Honours shall be on self-financing basis.
2. **Eligibility for admission :**
 - 2.1 Candidates seeking admission to the first of the Degree of Bachelor of Mass communication will be required to have passed with a minimum of 45% marks, the Intermediate Examination in Arts/Science/commerce of a Board/University established or incorporated by law or any other examination recognized by the university as equivalent there to.
 - 2.2 Admission to the Bachelor of Mass communication course shall be made on the basis of merit list prepared after the entrance test including written and viva-voce examinations to be conducted by the College.
 - 2.3 The maximum number of seats for the course in a College where a B.M.C course started will be limited to 60 only which may be revised with prior permission of the State Govt. There shall be five additional seats for wards of NRI on payment and first cum-first serve basis. The reservation of seats for the course shall be as per rules of the State Govt./Patna University for SC, ST and OBC. All candidates seeking admission to the course

shall pay full fees as prescribed in the regulations or modified from time to time under the & provision of the regulations.

- 2.4 No applicant shall be admitted to the course who has not applied for admission within the notified time, or who being selected for admission, does not get her self/himself enrolled within the specified time, except when the delay has been condoned by the Vice-chancellor.
- 2.5 No applicant shall be admitted to the course who in the opinion of the Vice-Chancellor, should not be admitted in the best interest of the university.

3. Fee Structure :

- 3.1 The fee for the course shall be charged at the beginning of the academic year. The fee structure per annum for the course shall be the following :

Particulars	1 st Year		2 nd Year		3 rd Year	
Admission	200/-	400/-	200/-	400/-	200/-	400/-
Registration	100/-	200/-	100/-	200/-	100/-	200/-
Tuition Fee	6500/-	13000/-	9500/-	19000/-	14500/-	29000/-
Library	500/-	1000/-	500/-	1000/-	500/-	1000/-
Development	5000/-	10000/-	6500/-	13000/-	6500/-	13000/-
Maintenance	550/-	1100/-	550/-	1100/-	550/-	1100/-
Common Room	200/-	400/-	200/-	400/-	200/-	400/-
Stationary	225/-	450/-	225/-	450/-	225/-	450/-
Extra-curricular Activities	500/-	1000/-	500/-	1000/-	500/-	1000/-
Miscellaneous	800/-	1600/-	800/-	1600/-	800/-	1600/-
Electricity	300/-	600/-	300/-	600/-	300/-	600/-
Magazine	75/-	150/-	75/-	150/-	75/-	150/-
Environment Protection	200/-	400/-	200/-	400/-	200/-	400/-
Social Work	100/-	200/-	100/-	200/-	100/-	200/-
Identity Card	50/-	100/-	50/-	100/-	50/-	100/-
Eklavya & Tarang	20/-	20/-	20/-	20/-	20/-	20/-
TOTAL	15320/-	30620/-	20320/-	40620/-	25320/-	50620/-

- 3.2 The fee structure may be reviewed from time to time by the concerned Principat(s), in consultation with the Vice-Chancellor, Patna University.
4. The Bachelor of Mass Communication (B.M.C) Honours shall be placed in the Faculty of Humanities.

DRAFT REGULATIONS FOR BACHELOR IN MASS COMMUNICATION

(B.M.C.) HONOURS EXAMINATION PATNA UNIVERSITY, PATNA (THREE YEAR DEGREE COURSE)

1. Duration of the course :

- 1.1 The Bachelor of Mass Communication (B.M.C.) Honours course shall cover a period of three academic years. The duration of the session is from July to May.

2. Eligibility for admission :

- 2.1 Candidates seeking admission to the first year of the Degree of Bachelor of Mass Communication will be required to have passed with a minimum of 45% marks, the Intermediate Examination in Arts/Science/Commerce of a Board/University established or incorporated by law or any other examination recognized by the university as equivalent there to.

- 2.2 Admission to the Bachelor of Mass Communication course shall be made on the basis of merit list prepared after the entrance test including written and viva-voce examinations to be conducted by the College.
- 2.3 The maximum number of seats for the course in a College where a B.M.C. course started will be limited to 60 only which may be revised with prior permission of the State Govt. There shall be five additional seats for wards of NRI on payment and first cum-first serve basis. The reservation of seats for the course shall be as per rules of the State Govt./Patna University for SC, ST and OBC. All candidates seeking admission to the course shall pay full fees as prescribed in the regulations or modified from time to time under the provision of the regulations.

3. Structure of the course :

- 3.1 A candidate for the B.M.C. examination shall be required to offer and be examined in 18 papers according to the following structure :

- 1st year :
1. Introduction to Mass Communication
 2. Reporting and Editing - I
 3. Writing for Mass Media
 4. Indian Govt. and Politics and International Relations

Subsidiary Paper I : Economics (approved syllabus of Patna University)

Subsidiary Paper II : Computer Applications for Mass Media

- 2nd year: 5. Introduction to -Visual Media
6. Reporting and Editing-II
 7. Advertising
 8. Public Relations/Corporate Communication

Subsidiary Paper I : Economic Development and Planning in India

Subsidiary Paper II : Entrepreneurship Development Program
(approved syllabus of Patna University)

After the 2nd year annual examination, each student shall undergo a practical training of 8 weeks duration in an approved business/ industrial/service organisation and submit at least two copies of the summer Training Report to the Head of the Department at least 15 days before the date of commencement of the Final year examinations. This Summer Training Report shall carry 100 marks and it shall be evaluated for 60 marks by two external examiners to be appointed by the University and 40 marks shall be awarded on the basis of their internal assessment.

- 3rd year :
9. Reporting and Editing - III
 10. Photojournalism
 11. Design and Graphics
 12. Indian Constitution and Media Law
 13. Development Communication
 14. Project Report

3.2 The medium of Instruction shall be English/Hindi.

4. Examination :

- 4.1 The University will hold examination at the end of the first, the second and the third years of course conducted by the University to be known respectively as B.M.C. Honours Part I, Part II and Part III examination.
- 4.2 There shall be a written examination for each of the theory paper of three-hour duration. The medium for the written examination shall be English/Hindi.
- 4.3 A student shall not be allowed to appear at the next annual examination unless she/he has passed the previous annual examination.
- 4.4 A carry over shall be allowed for failures for a maximum of two subjects at the Honours part I and part II examinations but such a candidate shall not be admitted to part III class

unless she/he has passed in all subjects of part I examination.

- 4.5 The marks of each paper shall consist of 20 marks for internal assessment (based on quiz, test, seminar, presentation, workshop etc.) and 80 marks for University Examinations.
- 4.6 In order to be declared successful at any of these examinations the candidate shall have to pass both in Theory and Internal Assessment/Practical/Project Work separately with 45% marks. Minimum Percentage of marks required for passing in Subsidiary papers will be 35%.
- 4.7 The Percentage of marks required for:
- I Class - 60 percent and above in aggregate
 - II Class - 45 percent and above but below 60% in aggregate
- 4.8 A candidate obtaining 75 percent marks or more shall be declared to have passed in First Class with distinction.
- 4.9 In order to appear at the examination a candidate :
- (a) must have 75% attendance
 - (b) must bear a good moral character

- 4.10 Each successful candidate, at the B.M.C. (Part III) examinations, shall receive her/his OagreeJ in the prescribed form (as approved by the Academic Council of the Patpa University) specifying the name of the college and the class in which she/he Was admitted.
- 4.11 Qther provisions not covered urider present regulations-shall begoy;ernedby the regulations p^fpatna-Uniyersity.

Sd.

राज्यपाल के विशेष कार्य पदाधिकारी
बिहार

सहसम्बन्ध एवं सम्पर्क के क्षेत्र

स्नातक जनसंचार सम्मान के छात्र-छात्राओं से यह प्रत्याशित है कि वे सक्रिय रूप से निम्नलिखित गतिविधियों से जुड़े तथा इसे अकादमिक अध्ययन का हिस्सा समझें :

- * कक्षा-व्याख्यान ।
- * अतिथि विशेषज्ञों से संवाद ।
- * प्रेस काँफ्रेंस में भागीदारी या उपस्थिति।
- * अध्यास-वर्ग समनुदेशन (Assignment)।
- * कार्यशाला (Workshops)।
- * संगोष्ठी (Seminar)।
- * वादविवाद, निबंध एवं क्विज प्रतियोगिता।
- * खेल-कूद (Sports)।

- * सांस्कृतिक कार्यक्रम ।
- * जनसंचार माध्यम संस्थानों में एक दिन की यात्रा।
- * जनसंचार माध्यमों के विभिन्न प्रतिष्ठित केन्द्रों की जानकारी के लिए वार्षिक शैक्षिक यात्रा।
- * शोध सर्वेक्षण (Research Surveys)।
- * समूह परिचर्चा (Group Discussions)।
- * विज्ञापन अभिकरणों (Advertising Agencies) का निरीक्षण।
- * आवधिक एवं अन्तस्थ परीक्षा (Periodical & Terminal Exam)।

कार्यशाला एवं तकनीकी प्रशिक्षण

स्थिर एवं चल चित्रांकन (Still photography & videography), श्रव्य एवं दृश्य प्रस्तुति (Audio & video production), कोण, प्रकाश, रंग, लेंस, विशेष प्रभाव के सूक्ष्म भेद, संचार साधनों के प्रयोग की व्यावहारिक शिक्षा किसी बाहरी संस्थान की प्रयोगशाला में दी जाएगी। कॉलेज की ओर से दूरदर्शन एवं आकाशवाणी की कार्यविधि एवं तकनीकी साधनों के निरीक्षण का अवसर उपलब्ध कराया जाएगा। शैक्षिक भ्रमण पर ले जाना कॉलेज का दायित्व है।

संस्थान का प्रयोगशाला-शुल्क = 5000/-

शैक्षिक यात्रा-खर्च = 5000/-

अनुशासन

1. प्रत्येक छात्र-छात्रा से विनम्रता, नियमबद्धता एवं सामान्य शिष्टाचार अपेक्षित है।
2. समय पर वर्ग में उपस्थिति आवश्यक है। जो विद्यार्थी क्रमांक पुकारने पर अनुपस्थित रहेंगे, उन्हें उस वर्ग की उपस्थिति नहीं दी जाएगी।

3. वर्ग नहीं होने पर इधर-उधर घूमना, जोर-जोर से बातें करना, ठहाके लगाना परिसर के अनुशासन के विरुद्ध है। विद्यार्थी अपना खाली समय या तो पुस्तकालय में बिताएँ या विनोद कक्ष में।
4. विद्यार्थियों को ड्रेस का कोड अनुपालन करना होगा।
5. कक्षा में मोबाइल फोन लाना वर्जित है।
6. कक्षा चलने के समय कोई विद्यार्थी अपने किसी मुलाकाती से न मिले।
7. आवासीय पता बदलने पर विद्यार्थी कार्यालय को सूचित करें।
8. 75% उपस्थिति अनिवार्य है। 60% उपस्थिति उन विद्यार्थियों के लिए भी आवश्यक है जो किसी बीमारी के कारण कक्षा में नहीं आ पाते हैं। ऐसे विद्यार्थी को किसी डॉक्टर से बीमारी के समय का तत्सम्बन्धी प्रमाण-पत्र उपलब्ध करारा होगा।

पुस्तकालय

1. पुस्तकालय का सदस्य होना सबके लिए अनिवार्य है।
2. पुस्तकालय में जाने पर अध्ययनरत रहें ताकि शांति बनी रहे।
3. पुस्तकालय से एक विद्यार्थी के नाम पर दो पुस्तकें एक सप्ताह के लिए निर्गत की जा सकती हैं। जो विद्यार्थी निर्धारित समय पर किताबें नहीं लौटाएँगे, उन्हें प्रतिदिन पाँच रुपये के हिसाब से दण्ड भरना होगा। किताब का पन्ना उड़ाने पर या उसे विकृत करने पर किताब की पूरी कीमत वसूल की जाएगी।
4. विद्यार्थियों को उपयुक्त पुस्तक के चयन के लिए कैटलॉग या रजिस्टर का उपयोग करना चाहिए।
5. पत्र-पत्रिका को घर ले जाने की अनुमति नहीं है।

साइकिल स्टैंड

जो छात्र-छात्रा हल्के वाहन का प्रयोग करते हैं, वे कार्ड बनवाकर अपनी साइकिल, मोटरसाइकिल या स्कूटर-स्टैंड में ही लगाएँ।

निष्कर्ष

स्नातक जनसंचार सम्मान पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (U.G.C.) द्वारा मान्यता प्राप्त है। पटना विश्वविद्यालय द्वारा विधिवत् यह डिग्री प्रदान की जाती है। स्नातक जनसंचार सम्मान के छात्र-छात्रा भी दूसरे विषयों के स्नातकों की तरह देश या प्रांत में होनेवाली स्नातक स्तर की किसी प्रतियोगिता परीक्षा में बैठ सकते हैं।

पटना कॉलेज स्नातक जनसंचार सम्मान के छात्र-छात्राओं के व्यक्तित्व के चहुँमुखी विकास के लिए सतत प्रयासशील रहेगा। उसकी कोशिश होगी कि उसके छात्र-छात्रा जनसंचार की दुनिया में न केवल अपनी पैठ बनाएँ बल्कि उसका विस्तार करें; उनमें टीम-भावना आए तथा वे जन-सम्पर्क के लिए मिलनसारिता एवं लचीलेपन से काम लें। कॉलेज उन्हें पर्याप्त अवसर देगा कि वे अपनी कला, चातुर्य, प्रतिभा एवं प्रशिक्षण का प्रभावशाली प्रदर्शन करें ताकि जनसंचार माध्यम या संस्थान आगे बढ़कर अपनी सेवा के लिए उनका चयन करें। नौकरी के बाजार में योग्य छात्र-छात्राओं के लिए अपार संभावनाएँ हैं। पटना कॉलेज में पहले से ही एक नियोजन कोषांग (Placement Cell) कार्यरत है जिसके आमंत्रण पर कंपनियाँ परिसर-चयन (Campus Selection) के लिए आती हैं।



Letter No. -1661

Patna, the 17/07/07

To,

The Principal,
Patna College, P.U.

Sub : Permission to start the self Financing Course,
Bachelor of Mass Communication degree (Honours).

Sir,

In pursuance of the decision taken in the meeting dated 03.07,2007 of the Principals, Deans, Post Graduate Heads and Directors, I am directed to inform you that the Vice-Chancellor has been pleased to grant permission for starting the above noted course at your college from the session 2007-08.

Yours Faithfully

(N. Zaman)
Asst. Registrar
Patna University.